SET-3

Series RLH/2

कोड नं.
Code No. 3/2/3

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

अकाल के बीच भी अच्छे काम और अच्छे विचार का एक सुंदर छोटा सा उदाहरण राजस्थान के अलवर क्षेत्र का है जहाँ तरुण भारत संघ पिछले बीस बरस से काम कर रहा है । वहाँ पहले अच्छा विचार आया तालाबों का, हर नदी, नाले को छोटे-छोटे बाँधों से बाँधने का । इस तरह वहाँ और आसपास के कुछ और ज़िलों के कोई 600 गाँवों ने बरसों तक वर्षा की एक-एक बूँद को सहेज लेने का काम चुपचाप किया । इन तालाबों, बाँधों ने वहाँ सूखी पड़ी पाँच नदियों को 'सदानीरा' का नाम वापस दिलाया ।

अच्छे विचारों से अच्छा काम हुआ और फिर आई चुनौती भरे अकाल की पहली सूचना । नदियों में, तालाबों में, कुओं में वहाँ तब भी पानी लबालब भरा था । फिर भी इस क्षेत्र के लोगों ने, किसानों ने आज से सात-आठ माह पहले यह निर्णय किया कि पानी कम गिरा है इसलिए ऐसी फ़सलें नहीं बोनी चाहिए जिनकी प्यास ज़्यादा होती है । तो कम पानी लेने वाली फ़सलें लगाई गईं । इसमें उन्हें कुछ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा पर आज यह क्षेत्र अकाल के बीच में एक बड़े हरे द्वीप की तरह खड़ा है । यहाँ संसार को न तो टैंकरों से पानी ढोना पड़ रहा है न अकाल राहत का पैसा बाँटना पड़ा है । लोग, गाँव किसी के आगे हाथ नहीं पसार रहे हैं । उनका माथा ऊँचा है । पानी के उम्दा काम ने उनके स्वाभिमान की भी रक्षा की है ।

अलवर में नदियाँ एक दूसरे से जोड़ी नहीं गई हैं । यहाँ के लोग अपनी नदियों से, अपने तालाबों से जुड़े हैं । यहाँ पैसा नहीं बहाया गया है, पसीना बहाया है, लोगों ने और अच्छे काम और अच्छे विचारों ने अकाल को एक दर्शक की तरह पाल के किनारे खड़ा कर दिया है ।

(क) लेखक अकाल के बीच किस अच्छे काम की चर्चा कर रहा है ?

(i) तरुण भारत संघ द्वारा पिछले बीस वर्ष से काम करना

(ii) तालाब, नदी, नाले की एक-एक बूँद को सहेजकर रखना

(iii) अकाल से जुझने के लिए योजनाएँ बनाना

(iv) सभी नदियों को परस्पर जोड़ना

(ख) 'सदानीरा' का तात्पर्य है

(i) पाँच नदियों का संगम

(ii) जहाँ सदा पानी की कमी हो

(iii) जो नदी कभी सूखती नहीं

(iv) जिससे मनुष्य सदा जल प्राप्त करता है

(ग) कम पानी वाली फ़सलें बोने का निर्णय क्यों लिया गया ?

(i) अकाल की पूर्व सूचना के कारण

(ii) तालाबों में पानी कम होने के कारण

(iii) पानी की बचत ज़रूरी होने के कारण

(iv) मौसम विभाग के अनुरोध के कारण

(घ) किसानों को ज़्यादा प्यासी फ़सलें न बोने से क्या लाभ हुआ ?

(i) आर्थिक नुकसान नहीं हुआ

(ii) उनका क्षेत्र अकाल में भी हरा-भरा रहा

(iii) आमदनी अधिक हुई

(iv) उनके गाँव का बहुत नाम हुआ

(ङ) अलवर के लोगों ने क्या कर दिखाया ?

(i) अपने कार्य से सबका मन मोह लिया

(ii) गाँधीजी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर दिखाया

(iii) सबको नया जीवन दिया

(iv) अकाल को एक दर्शक की तरह खड़ा कर दिया

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

आज की नारी संचार प्रौद्योगिकी, सेना, वायुसेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विज्ञान वगैरह के क्षेत्र में न जाने किन-किन भूमिकाओं में कामयाबी के शिखर छू रही है । ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहाँ आज की महिलाओं ने अपनी छाप न छोड़ी हो । कह सकते हैं कि आधी नहीं, पूरी दुनिया उनकी है । सारा आकाश हमारा है । पर क्या सही मायनों में इस आज़ादी की आँच हमारे सुदूर गाँवों, कस्बों या दूरदराज के छोटे-छोटे कस्बों में भी उतनी ही धमक से पहुँच पा रही है ? क्या एक आज़ाद, स्वायत्त मनुष्य की तरह अपना फ़ैसला ख़ुद लेकर मज़बूती से आगे बढ़ने की हिम्मत है उसमें ?

बेशक समाज बदल रहा है मगर यथार्थ की परतें कितनी बहुआयामी और जटिल हैं जिन्हें भेदकर अंदरूनी सच्चाई तक पहुँच पाना आसान नहीं । आज के इस रंगीन समय में नई बढ़ती चुनौतियों से टकराती स्त्री की क्रांतिकारी आवाजें हम सबको सुनाई दे रही हैं मगर यही कमाऊ स्त्री जब समान अधिकार और परिवार में लोकतंत्र की अनिवार्यता पर बहस करती या सही मायनों में लोकतंत्र लाना चाहती है तो वहाँ इसकी राह में तमाम धर्म, भारतीय संस्कृति, समर्पण, सहनशीलता, नैतिकता जैसे सामंती मूल्यों की पगबाधाएँ खड़ी की जाती हैं ।

नारी की सच्ची स्वाधीनता का अहसास तभी हो पाएगा जब वह आज़ाद मनुष्य की तरह भीतरी आज़ादी को महसूस करने की स्थितियों में होगी ।

(क) पूरी दुनिया और सारा आकाश औरतों का है, कैसे ?

(i) औरतें हवाई जहाज़ उड़ा सकती हैं ।

(ii) प्रत्येक क्षेत्र में कामयाबी का सेहरा उनके सिर पर है ।

(iii) महिलाओं की कामयाबी को कोई नकार नहीं सकता ।

(iv) आज की नारी शिक्षित है ।

(ख) लेखिका को ऐसा क्यों लगता है कि आज़ादी की गर्माहट सुदूर गाँवों तक नहीं पहुँची है ?

(i) महिलाएँ एक स्वतंत्र मनुष्य की तरह अपना निर्णय ले सकती हैं ।

(ii) स्त्री आज़ाद पुरुष की तरह अपनी राह पर बढ़ने की हिम्मत नहीं रखती है ।

(iii) आज़ादी का फल गाँवों तक पहुँचना कठिन है ।

(iv) ग्रामीण नारी के लिए उत्थान योजनाएँ नहीं बनाई गई हैं ।

(ग) शिक्षित महिला भी समान अधिकार की बात तो करती है लेकिन अपने परिवार के आगे घुटने टेक देती है, क्यों ?

(i) वह बेहद कमज़ोर है ।

(ii) परिवार की आवश्यकता को वह समझती है ।

(iii) परिवार में लोकतंत्र की अनिवार्यता पर बहस करना चाहती है ।

(iv) परिवार की स्थिरता के लिए समर्पण भाव अपनाना पड़ता है ।

(घ) नारी की वास्तविक आज़ादी कब होगी ?

(i) जब वह स्वयं भीतरी स्वतंत्रता का अहसास कर पाएगी ।

(ii) जब पूरा समाज उसे आज़ादी देगा ।

(iii) जब वह चुनौतियों को स्वीकार करेगी ।

(iv) जब वह भारतीय संस्कृति के मूल्यों का पूरी तरह वहन करेगी ।

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है

(i) नारी की आज़ादी

(ii) आज की महिला

(iii) कामयाब नारी

(iv) सशक्त नारी

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

सबको स्वतंत्र कर दे यह संगठन हमारा ।
छूटे स्वदेश ही की सेवा में तन हमारा ।।

जब तक रहे फड़कती नस एक भी बदन में ।
हो रक्त बूँद भर भी जब तक हमारे तन में ।।
छीने न कोई हमसे प्यारा वतन हमारा ।
छूटे स्वदेश ही की सेवा में तन हमारा ।।

कोई दलित न जग में हमको पड़े दिखाई ।
स्वाधीन हों सुखी हों सारे अछूत भाई ।।
सबको गले लगा ले यह शुद्ध मन हमारा ।
छूटे स्वदेश ही की सेवा में तन हमारा ।।

धुन एक ध्यान में है, विश्वास है विजय में ।
हम तो अचल रहेंगे तूफ़ान में प्रलय में ।।
कैसे उजाड़ देगा कोई चमन हमारा ?
छूटे स्वदेश ही की सेवा में तन हमारा ।।

हम प्राण होम देंगे, हँसते हुए जलेंगे ।
हर एक साँस पर हम आगे बढ़े चलेंगे ।।
जब तक पहुँच न लेंगे तब तक न साँस लेंगे ।
वह लक्ष्य सामने है पीछे नहीं टलेंगे ।।
गायें सुयश खुशी से जग में सुजन हमारा ।
छूटे स्वदेश ही की सेवा में तन हमारा ।।

(क) कवि की हार्दिक इच्छा है

(i) मरते दम तक देश की सेवा करता रहे ।

(ii) अपने ही देश में उसके प्राण छूटें ।

(iii) उसका देश स्वतंत्र हो ।

(iv) देश में सभी शिक्षित हों ।

(ख) कवि किस तरह के समाज की कल्पना करता है ?

(i) सबके मन और विचार शुद्ध हों ।

(ii) सभी स्वाधीन हों ।

(iii) समाज में कोई भी दलित और अछूत न हो ।

(iv) कोई भी हमारे वतन को छीन न सके ।

(ग) कवि को क्या विश्वास है ?

(i) पूरा संसार उसके मन के अनुसार चलेगा ।

(ii) वह अपना कार्य पूरा कर पाएगा ।

(iii) कोई भी हमारे देश को नहीं उजाड़ सकता ।

(iv) तूफ़ान भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता ।

(घ) बलिदान की भावना किस पंक्ति में अभिव्यक्त हुई है ?

(i) हर एक साँस पर हम आगे बढ़े चलेंगे ।

(ii) हम प्राण होम देंगे, हँसते हुए जलेंगे ।

(iii) सबको गले लगा ले यह शुद्ध मन हमारा ।

(iv) जब तक पहुँच न लेंगे तब तक न साँस लेंगे ।

(ङ) 'हम तो अचल रहेंगे तूफ़ान में प्रलय में' – तूफ़ान और प्रलय से तात्पर्य है

(i) क्रांतियाँ

(ii) चुनौतियाँ

(iii) रुकावटें

(iv) विश्वास

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

तेरे-मेरे बीच कहीं है एक घृणामय भाईचारा ।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा ।।
    बँटवारे ने भीतर-भीतर
    ऐसी-ऐसी डाह जगाई ।
    जैसे सरसों के खेतों में
    सत्यानाशी उग-उग आई ।।
तेरे-मेरे बीच कहीं है टूटा-अनटूटा पतियारा ।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा ।।
    अपशब्दों की बंदनवारें
    अपने घर हम कैसे जाएँ ।
    जैसे साँपों के जंगल में
    पंछी कैसे नीड़ बनाएँ ।।
तेरे-मेरे बीच कहीं है भूला-अनभूला गलियारा ।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा ।।
    बचपन की स्नेहिल तसवीरें
    देखें तो आँखें दुखती हैं ।
    जैसे अधमुरझी कोंपल से
    ढलती रात ओस झरती है ।।
तेरे-मेरे बीच कहीं है बूझा-अनबूझा उजियारा ।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा ।।

(क) कविता से किस बँटवारे की बात हो सकती है ?

(i) दो भाइयों का बँटवारा

(ii) दो देशों के बीच का बँटवारा

(iii) संपत्ति का बँटवारा

(iv) दो शरणार्थियों के बीच का बँटवारा

(ख) 'तेरे-मेरे बीच कहीं है एक घृणामय भाईचारा' का भाव है

(i) परस्पर संबंधों में इतनी घृणा हो गई कि भाईचारा कहाँ रह गया ।

(ii) जब परस्पर संबंधों में दरार आ जाती है तो भाईचारे का प्रश्न ही नहीं उठता ।

(iii) परस्पर संबंधों के बीच घृणा के बीज बोए गए फिर भी भाईचारा बना रहा ।

(iv) बँटवारे में घृणा के सिवाय और कुछ नहीं ।

(ग) 'सरसों के खेतों में सत्यानाशी' किसे कहा गया है ?

(i) काम बिगाड़ने वाले लोगों को

(ii) दीमक को

(iii) लोगों को

(iv) परस्पर ईर्ष्याभाव को

(घ) 'अपशब्दों की बंदनवारें' कैसे प्रभावित करती हैं ?

(i) मनुष्य को परेशान करती हैं ।

(ii) अपनों से मिलने से रोकती हैं ।

(iii) सजावट के काम आती हैं ।

(iv) मेल-मिलाप की गुंजायश नहीं रह जाती ।

(ङ) बचपन की तसवीरें क्या आशा जगाती हैं ?

(i) आँसुओं में मलिनता धुल जाएगी और उजाला होगा ।

(ii) यौवन ठीक-ठाक गुजरेगा ।

(iii) घर के बुजुर्ग शांति स्थापित कर पाएँगे ।

(iv) बीता हुआ बचपन लौट आएगा ।

खण्ड ख

5. निर्देशानुसार कीजिए : *1×3=3*

(क) जिस भाषा में शकुंतला ने श्लोक रचा था वह अपढ़ों की भाषा थी ।

(रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

(ख) मैंने अच्छा काम किया तो पिता जी बहुत प्रसन्न हो गए । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) शोभा ने घर साफ़ करने के लिए छुट्टी ली । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

6. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तित कीजिए : *1×4=4*

(क) बच्चों ने फिल्म की भूरि-भूरि प्रशंसा की । (कर्मवाच्य में)

(ख) बाढ़ग्रस्त जम्मू-कश्मीर के लिए अनेक लोगों द्वारा उदारता दिखाई गई । (कर्तृवाच्य में)

(ग) मैं अब चुप नहीं बैठ सकता । (भाववाच्य में)

(घ) उससे खड़ा भी नहीं हुआ जाता । (कर्तृवाच्य में)

7. निम्नलिखित रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : *1×4=4*

<u>जब</u> जाड़ा आता, वे <u>एक</u> काली <u>कमली</u> ऊपर से <u>ओढ़ते थे</u> ।

8. (क) निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर रस पहचान कर लिखिए : *1×3=3*

(i) पड़ी थी बिजली-सी विकराल, लपेटे थे घन जैसे बाल ।
कौन छेड़े ये काले साँप, अवनिपति उठे अचानक काँप ।

(ii) कहीं लाश बिखरी गलियों में
कहीं चील बैठी लाशों में ।

(iii) उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा ।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ।

(ख) निम्नलिखित काव्यांश में कौन-सा स्थायी भाव है ? *1*

वह मधुर यमुना कि जिसमें,
स्निग्ध दृग का जल बहा है ।
वह मधुर ब्रजभूमि जिसको,
कृष्ण के उर ने वरा है ।

खण्ड ग

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

अपनी ज़िंदगी ख़ुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ़्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है । मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों के पात्र इसी मोहल्ले के हैं जहाँ मैंने अपनी किशोरावस्था गुज़ार अपनी युवावस्था का आरंभ किया था । एक-दो को छोड़कर उनमें से कोई भी पात्र मेरे परिवार का नहीं है । बस इनको देखते-सुनते, इनके बीच ही मैं बड़ी हुई थी लेकिन इनकी छाप मेरे मन पर इतनी गहरी थी, इस बात का अहसास तो मुझे कहानियाँ लिखते समय हुआ । इतने वर्षों के अंतराल ने भी उनकी भाव-भंगिमा, भाषा, किसी को भी धुँधला नहीं किया था और बिना किसी विशेष प्रयास के बड़े सहज भाव से वे उतरते चले गए थे ।

(क) परंपरागत पड़ोस कल्चर की कोई एक अच्छाई और कोई एक बुराई लिखिए । *2*

(ख) मन्नू भंडारी अपने मोहल्ले से कैसे प्रभावित हुईं ? *2*

(ग) 'बिना किसी विशेष प्रयास के बड़े सहज भाव से वे उतरते चले गए थे ।' इस पंक्ति का संदर्भ स्पष्ट कीजिए । *1*

अथवा

और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम । हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने-पहनने के तरीके, हमारे गमना-गमन के साधन, हमारे परस्पर कट-मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं । मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

(क) सभ्यता को संस्कृति का परिणाम क्यों कहा गया है ? *2*

(ख) आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराने की मानव की योग्यता को हम उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति और क्यों ? *2*

(ग) कल्याण-भाव से रहित संस्कृति का क्या परिणाम होगा ? *1*

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×5=10*

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी किस परिस्थिति में प्रसिद्ध अख़बार के संपादक को भी अपढ़ मानता है और क्यों ?

(ख) कुछ पुरातनपंथी लोग स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी थे । द्विवेदी जी ने क्या-क्या तर्क देकर स्त्री-शिक्षा का समर्थन किया ? दो का उल्लेख कीजिए ।

(ग) सिद्ध कीजिए कि वर्तमान में लड़कियाँ क्षमता में लड़कों से पीछे नहीं हैं ।

(घ) कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ साहब सच्चे अर्थों में भारत-रत्न थे ?

(ङ) एक संगीतज्ञ के रूप में खाँ साहब का जीवन हमें विद्यार्थी जीवन के लिए किन मूल्यों की शिक्षा देता है ?

11. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु । चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम पर क्या व्यंग्य किया ? *2*

(ख) 'चहत उड़ावन फूँकि पहारू' से लक्ष्मण का क्या अभिप्राय है ? *2*

(ग) 'कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए । *1*

अथवा

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

(क) उपर्युक्त पंक्तियों में किस प्राचीन परंपरा की ओर संकेत किया गया है ? वर्तमान में यह परंपरा किस रूप में मिलती है ? *2*

(ख) किसी भी क्षेत्र में मुख्य व्यक्ति की भूमिका कब सार्थक होती है और क्यों ? *2*

(ग) मुख्य गायक का साथ देने वाला कौन हो सकता है ? *1*

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×5=10*

(क) मनुष्य अतीत में खोए रहने के कारण दुखी रहता है । आपके विचार में दुख के और क्या कारण हो सकते हैं ?

(ख) 'मृगतृष्णा' से क्या तात्पर्य है ? उसके पीछे क्यों नहीं भागना चाहिए ?

(ग) 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' का क्या भाव है ?

(घ) लड़की अभी सयानी नहीं थी, कवि ने इस संदर्भ में क्या-क्या कहा है ?

(ङ) कविता में माँ ने वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक भ्रम और बंधन क्यों कहा है ?

13. आप किसी पर्वतीय स्थल पर घूमने गए थे । व्यावसायिक गतिविधियों से प्रभावित जीवन मूल्यों वाले उस क्षेत्र के दर्द को एक लेख के रूप में लिखिए । *5*

खण्ड घ

14. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए : *10*

(क) दैव-दैव आलसी पुकारा

- आलसी व्यक्ति ही भाग्य को याद करता है
- परिश्रमी अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है
- कर्मठ का सब जगह सम्मान

(ख) जम्मू-कश्मीर की बाढ़

- बाढ़ की भयानक स्थिति
- बाढ़ के कारण और हानियाँ
- बाढ़ से बचाव

(ग) हमारे पड़ोसी

- पड़ोस का महत्त्व
- अच्छे पड़ोस से लाभ
- परस्पर व्यवहार

15. नीचे दिए गए समाचार को पढ़िए । इसको पढ़कर जो विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र के रूप में अपने शब्दों में लिखिए : *5*

डंपर ने ली स्कूल जा रही मासूम की जान

तेज रफ़्तार से आ रहे एमसीडी के एक डंपर ने पहली क्लास की छात्रा को कुचल दिया । उसकी मौके पर ही मौत हो गई । वह अपने दादा के साथ काइनेटिक होंडा टू वीलर पर स्कूल जा रही थी । डंपर छोड़कर उसका ड्राइवर फरार हो गया ।

16. निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक लिखकर एक-तिहाई शब्दों में सार लिखिए : *5*

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई ग़लत सोच है । उदाहरण के तौर पर, मैं ख़ुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आज़ादी को बनाए रखने में सहायक है । आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि ख़ुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती । किसी बगीचे में जाइए । मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी । अथवा ऊपर की तरफ़ ही देखें, यह ब्रह्मांड आपको अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे ।

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है । जैसा कि महर्षि अरविंद ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं । इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या ग़ैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ।

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				खंड - 'क'	
1	1 (क)	2 (क)	1 (क)	(ii)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(iii)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(i)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(ii)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(iv)	1 5
2	2 (क)	1 (क)	2 (क)	(ii)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(ii)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(iv)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(i)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(i)	1 5

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
3	3 (क)	4 (क)	3 (क)	(i)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(iii)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(iii)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(ii)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(ii)	1 5
4	4 (क)	3 (क)	4 (क)	(ii) (पहला विकल्प (i) भी स्वीकार्य)	1
	(ख)	(ख)	(ख)	(iii)	1
	(ग)	(ग)	(ग)	(iv)	1
	(घ)	(घ)	(घ)	(ii)	1
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	(i)	1 5

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
5	5	–	–	**खंड – 'ख'**	
	(क)	–	–	मिश्र वाक्य	1
	(ख)	–	–	कोई बच्चा खेलने नहीं निकला क्योंकि दोपहर हो गई थी।	1
	(ग)	–	–	रमा शहर गई और बीमार हो गई।	<u>1</u> <u>3</u>
	–	5 (क)	–	मिश्र वाक्य	1
	–	(ख)	–	मुझे तुम्हारा वह भाषण पसंद आया जो तुमने कल दिया था।	1
	–	(ग)	–	सरपंच को फैसला करना था इसलिए पंचायत बुलाई।	<u>1</u> <u>3</u>
	–	–	5 (क)	मिश्र वाक्य	1
	–	–	(ख)	मेरे अच्छा काम करने पर पिताजी बहुत प्रसन्न हो गए।	1
	–	–	(ग)	शोभा को घर साफ करना था इसलिए उसने छुट्टी ली।	<u>1</u> <u>3</u>
6	6	–	–		
	(क)	–	–	बहन द्वारा भाई को प्रेमपूर्वक राखी बाँधी गई।	1
	(ख)	–	–	महादेवी वर्मा ने यामा लिखी।	1

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
	(ग)	-	-	उससे खड़ा नहीं हुआ जाता।	1
	(घ)	-	-	माँ रातभर नहीं बैठ सकेगी।	1 4
	-	6	-		
	-	(क)	-	अध्यापिका द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाया गया।	1
	-	(ख)	-	अनेक पाठकों ने दादी की पुस्तक की प्रशंसा की।	1
	-	(ग)	-	मुझसे और नहीं सहा जाता।	1
	-	(घ)	-	मैं चल भी नहीं सकता।	1 4
	-	-	6		
	-	-	(क)	बच्चों द्वारा फिल्म की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।	1
	-	-	(ख)	बाढ़ग्रस्त जम्मू-कश्मीर के लिए अनेक लोगों ने उदारता दिखाई।	1
	-	-	(ग)	मुझसे अब चुप बैठा नहीं जाता।	1
	-	-	(घ)	वह खड़ा भी नहीं हो सकता।	1 4

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				(व्याकरणिक कोटि और कोई एक अन्य बिंदु अपेक्षित)	
7	7	–	–	सुंदर – गुणवाचक विशेषण, गृहिणी विशेष्य का विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।	½ +½ =1
				मुझे – पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग / स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।	½ +½ =1
				लेकिन – समुच्चयबोधक अव्यय।	½ +½ =1
				देखा था – सकर्मक क्रिया, पुल्लिग, एकवचन, भूतकाल।	½ +½ =1
					4
	–	7	–		
		(क)		मैंने – पुरुषवाचक सर्वनाम, कर्ताकारक, एकवचन, पुल्लिग/स्त्रीलिंग।	½ +½ =1
				थोड़ी – परिमाणवाचक विशेषण, विशेष्य ज़मीन, स्त्रीलिंग, एकवचन।	½ +½ =1
		(ख)		शांति – भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, करणकारक, एकवचन।	½ +½ =1
				काम – जातिवाचक संज्ञा, कर्मकारक, पुल्लिग, एकवचन।	½ +½ =1
					4
	–	–	7	जब - कालवाचक क्रियाविशेषण, 'आता' क्रिया की विशेषता।	½ +½ =1
				एक - संख्यावाचक विशेषण, कमली विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन।	½ +½ =1
				कमली - जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।	½ +½ =1
				ओढ़ते थे - सकर्मक क्रिया, पुल्लिग, एकवचन, भूतकाल।	½ +½ =1
					4
8	8 (क) (i)	8 (क) (i)	8 (क) (i)	भयानक रस	1

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
	(ii)	(ii)	(ii)	वीभत्स रस	1
	(iii)	(iii)	(iii)	रौद्र रस	1 3
	(ख)	(ख)	(ख)	निर्वेद स्थायी भाव	1
				खंड 'ग'	
9	9 (क)	9 (क)	9 (क)	अच्छाई - एक दूसरे के आड़े वक्त काम आना तथा सुरक्षा की भावना बुराई - कभी-कभी अपना निजत्व खत्म हो जाना। (कोई अन्य उचित उत्तर भी स्वीकार्य)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	बचपन में उनके मोहल्ले के लोगों का प्रभाव उनके मन पर इतना गहरा था कि सहज ही कहानी के पात्रों के रूप में उतर आए।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	जब वे कहानियाँ-उपन्यास लिखने लगीं तो उनकी स्मृतियों के झरोखे से बचपन के साथी उनके लेखन में स्थान पाने लगे।	1 5
				अथवा	
9	9 (क)	9 (क)	9 (क)	संस्कृति नए विचार, खोज और आविष्कार की जननी है और इन आविष्कारों का उपयोग करना हमारी सभ्यता मानी गई है।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	असंस्कृति कहेंगे, संस्कृति सदा कल्याणकारी होती है। असंस्कृति का	

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				परिणाम सदा विनाशकारी होता है।	1+1=2
9	(ग)	(ग)	(ग)	परिणाम असंस्कृति और विनाश होगा।	1 5
10	10 (क)	10 (क)	10 (क)	यदि प्राकृत बोलने वाली स्त्रियों को उनकी भाषा के कारण अपढ़ माना जाए तो वर्तमान में बोलचाल की भाषा में अखबार संपादित करने वाले संपादक को भी अपढ़ माना जाएगा। क्योंकि पढ़ाई-लिखाई किसी एक भाषा जानने वालों का एकाधिकार नहीं है, वह किसी भी भाषा में हो सकती है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	परिवार व समाज की उन्नति के लिए स्त्री-शिक्षा आवश्यक है। स्त्रियाँ भी पुरुषों के समकक्ष विदुषी होने का सामर्थ्य रखती हैं। शीला, विज्जा, गार्गी आदि का योगदान। (अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य)	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उचित तर्क व उदाहरण स्वीकार्य।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	शास्त्रीय संगीत और शहनाई को विश्व भर में नई पहचान दिलाई। उनका सभी धर्मों के प्रति आदर, व्यक्तित्व की सरलता और सादगी, भारतीय गंगा-जमुनी संस्कृति का प्रमाण।	2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	संगीतज्ञ खाँ साहब विद्यार्थियों के लिए आदर्श हैं। सच्ची लगन, बनाव-श्रृंगार की अपेक्षा सादगी, समर्पण, अहंकारहीनता, सांप्रदायिक	

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				सौहार्द्र, समन्वयवादी दृष्टि। (पाठ में उल्लिखित अन्य मूल्य भी स्वीकार्य।)	1+1=2 10
11	11 (क)	11 (क)	11 (क)	मुनिवर स्वयं को महान योद्धा मान रहे हैं। लक्ष्मण इसी वीरता प्रदर्शन पर व्यंग्य कर रहे हैं।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	जिस प्रकार फूँक से पहाड़ नहीं उड़ सकता वैसे ही मैं आपके फरसा दिखाकर डराने से डरने वाला नहीं हूँ।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	वे भी कोई कुम्हड़े की कलियाँ नहीं हैं जो उनकी तरजनी देखकर ही मुरझा जाएँगी अर्थात वे इतने कमज़ोर नहीं हैं, जो उनकी बातों से भयभीत हो जाएँगे।	1 5
				अथवा	
	(क)	(क)	(क)	मुख्य गायक के स्वर में संगतकार द्वारा अपना स्वर मिलाने की प्राचीन परंपरा की ओर संकेत किया गया है। वर्तमान में नाटक, फिल्म, खेल, साहित्य, राजनीति एवं अन्य कार्य क्षेत्रों में भी यह परंपरा दिखाई देती है। इसके बिना कार्य की सफलता संभव नहीं है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• जब संगतकार उसके साथ कदम से कदम मिलाए। • क्योंकि अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता। मुख्य गायक की धूमिल पड़ती आवाज़ को संगतकार का सहारा ही उबारता है।	1+1=2

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
	(ग)	(ग)	(ग)	मुख्य गायक का छोटा भाई, कोई शिष्य, संबंधी या संगीत सीखने का इच्छुक व्यक्ति आदि।	1 5
12	12 (क)	12 (क)	12 (क)	दूसरों के सुख से ईर्ष्या करना, स्वार्थी मानसिकता होना भी दुख के कारण हो सकते हैं। असफलता भी दुख का कारण होती है। (अन्य उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य।)	2
	(ख)	(ख)	(ख)	मृग को रेत में जल का आभास होता है और वह उसके पीछे दौड़ता है क्योंकि उससे कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता, वह जीवन की वास्तविकता नहीं है। भ्रम कभी आपको सुख नहीं देता।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	लड़की के समान कोमल भावनाओं और गुणों को ग्रहण करना लेकिन कमजोरी मत अपनाना। लज्जा और कोमलता को कोई अनुचित न समझे।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	लड़की अभी भोली और सरल हृदय की थी। विवाह के लिए उसकी समझ विकसित नहीं हुई थी। उसे दुख बाँचना नहीं आता था और जीवन के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान भी नहीं था। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	वस्त्र और आभूषण का मोह उसे कमजोर बनाएगा और संसार उसकी आड़ में उसका शोषण कर सकता है।	2 10

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/2/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
13	13	13	13	विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे।	5
				खंड 'घ'	
14	14	14	14	एक विषय पर निबंध • प्रारंभ और समापन • विषय-वस्तु (चार बिंदु अपेक्षित) • प्रस्तुति और भाषा	 1+1=2 6 1+1=2 10
15	15	15	15	पत्र-लेखन • प्रारूप / औपचारिकताएँ • विषय-सामग्री • भाषा	 1 3 1 5
16	16	16	16	सार-लेखन • शीर्षक • उपयुक्त सार (लगभग एक तिहाई शब्दों में)	 1 4 5